प्रेस की ताकत

PRESS KI TAQUAT (Weekly, Every Monday from Patiala) आर. एन. आई. रजि. नं.: 61704/94 डाक रजि. नं.: PB/(PTA-11)/06-08

पटियाला से प्रकाशित (पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तरांचल, राजस्थान, जम्मु कश्मीर,चंडीगढ़, दिल्ली तथा झारखंड में सर्वाधिक प्रसारित होने वाला समाचार पत्र)

Required Reporters in Every District

Coming Soon On sattelite

24 Hours News Entertainment Channel

RAFTAAR news सबसे तेज सबसे आगे

Send your news, views or suggestions email at:

news@raftaarnews.com, info@raftaarnews.com

or visit for latest news at www.raftaarnews.com

वर्ष 14 अंक 31 दिन सोमवार दिनांक 25 अगस्त से 31 अगस्त 2008 मुल्य 5 रूपये सम्पादक : शिव नारायण जांगड़ा मोबाइल : 09914607080, 9376451149 (कुल पेज 4)

संत आसाराम बापू को बदनाम करने की साजिश करनेवालों का 'प्रेस की ताकत' ने किया भंडाफोड़

मीडिया शर्मनाक और विनाशकारी प्रचार कर रही है...

– के.जी. बालकृष्णन्, भारत के प्रमुख न्यायाधीश

कोची (प्रेस की ताकत) अखबार एवं न्यूज चैनलों द्वारा अप्रमाणित खबरें छापने की प्रवृत्ति एक स्वतंत्र और न्यायपूर्ण संवैधानिक न्यायिक प्रक्रिया के लिए खतरा है । जिस ढंग से ''आधुनिक मीडिया एवं टेली-कम्युनिकेशन्स'' किसी के व्यक्तिगत जीवन में हस्तक्षेप करती है और शर्मनाक एवं विनाशकारी प्रचार कर रही है, उसे अगर रोका न जाये तो उसका परिणाम बड़ा भयानक हो सकता है ।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख न्यायाधीश के.जी. बालकृष्णन् कोची में यहाँ ''संविधान, मीडिया एवं न्यायालय'' पर चौथा 'के.एस.राजमोनी मेमोरियल पब्लिक लॉ लेक्चर' में भाषण दे रहे थे ।

हाल में विशेषकर आपराधिक मामलों में ''मीडिया ट्रायल'', एक या दूसरे के पक्ष में लोकमत प्रकट करना, बढ़ता जा रहा है । न्यायालय में मुकदमा शुरू होने से पहले ही अभियुक्त को दोषी बताया जा रहा था ।

इससे तो न्यायालयीन कार्यवाही में हर पक्ष का अपने केस को स्वतंत्र, न्यायपूर्ण एवं पक्षपातरहित तरीके से जाँच करवाने का अधिकार जो कि न्यायप्रणालिका की आधारभूमि है, इस पर ही प्रश्नचिह्न लग गया ।

न्यायाधीश बालकृष्णन् ने आगे कहा कि मीडिया लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के प्रहरी है । मीडिया से संबंधित हर व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह जिम्मेदारीपूर्वक और देश और समाज के प्रति अपने कर्तव्य को ध्यान में रखते हुए बर्ताव करे । हकीकत में पत्रकार ''नागरिक स्वतंत्रता के चौकन्ने वॉचडॉग्स (निगरानी करनेवाले)'' थे । न्यायालयीन कार्यवाहियों की रिपोर्ट देने का मीडिया का अधिकार नागरिकों के जानने के अधिकार से उत्पन्न हुआ है ।

मीडिया का यह भी कर्तव्य था कि वह न्यायपूर्ण, निष्पक्ष एवं सही तरीके से रिपोर्ट दे । उन्होंने कहा कि मीडिया को ''लोकमत की अभिव्यक्ति मात्र'' बनने के बजाय ''लोक दबाव'' डालनेवाला साधन नहीं बनना चाहिए ।

भारत में ऐसे कई प्रसंग हैं जहाँ पर अभियुक्त पर लगे आरोप को लेकर मीडिया ने इस ढंग से विस्तृत इंटरव्यू एवं चर्चाओं का आयोजन किया कि लोकमत के बजाय लोक दबाव पैदा हो । उन्होंने कहा ''प्रचार जरूरी है, लेकिन वह जो जिम्मेदार और निष्पक्ष हो'' ।

आइये, हम आपको बताते हैं आखिर क्या है सच...

अमदावाद (प्रेस की ताकत)। पिछले महीने संत आसारामजी गुरुकुल में हुई दुर्घटना के बाद संत आसाराम बापू, उनके आश्रम तथा उनके पुत्र नारायण साँईं की छवि को धूमिल करने हेतु लगातार एक के बाद एक नई साजिश रची जा रही है। अभी कुछ दिन पूर्व ही एक तथाकथित महिला वीणा चव्हाण, जो कि मुंबई की रहनेवाली है, ने अमदावाद में आकर एक प्रेस कान्फरेंस की। उसमें महेन्द्र चावला (पानीपत हरियाणा), अमृतलाल प्रजापति (गोधरा, गुजरात), राजेश सोलंकी (गाँव कांगवई, जिला नवसारी, गुजरात), अविन वर्मा (मुंबई) जैसे लोगों ने दूर-दूर से आकर एक ही प्रेस कॉन्फरेंस में भाग लिया। यह बात किसी भी व्यक्ति के गले नहीं उतर सकती कि एक व्यक्ति पानीपत से एक हजार किलोमीटर चलकर विशेष तौर पर अहमदाबाद में आकर प्रेस कॉन्फरेंस में भाग लेता है और उसी प्रेस कान्फरेंस में मुंबई से अविन वर्मा आती है और इसी कान्फरेंस में नवसारी जिले के कांगवई गाँव से राजेश सोलंकी २०० किलोमीटर दूर प्रेस कॉन्फरेंस करने आये और सभी लोग संत आसाराम और उनके बेटे नारायण साँईं पर तरह-तरह के आरोप लगाने लगे तो प्रेस की ताकत की विशेष टीम ने जब इस बात की गहराई नापनी चाही तो हमारी टीम दंग रह गयी। आइये, हम आपको बताते हैं इस प्रेस कान्फरेंस के सहभागियों की सच्चाई :

राजेश सोलंकी ने संत आसाराम आश्रम तथा नारायण साँईं पर आरोप लगाये । जब हमने इस व्यक्ति की सच्चाई जानने की कोशिश की तो इस व्यक्ति की हकीकत कुछ और ही थी ।

कुछ समय पहले इसी राजेश सोलंकी ने गाँव कांगवई, जिला नवसारी, गुजरात के नजदीकी गाँव के लोगों को 'मैं गोधरा का कलेक्टर हूँ', ऐसा कहकर ७०,००० रुपये ऐंठे । जिसकी शिकायत उन लोगों ने पुलिस में की, जिस पर इस शख्स राजेश सोलंकी को २ साल की सजा भी हुई ।

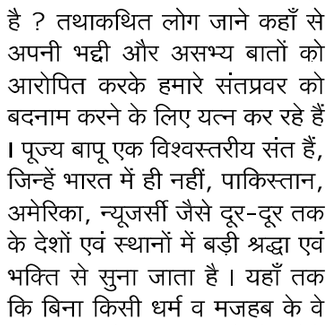

यह अखबार बताता है कि 'नोकरी का लालच देकर ७०,००० रुपये लूटनेवाले दो ठगों को दो वर्ष की कैद' । इस ग्राम पंचायत कांगवई, जिला नवसारी के सरपंच संजय भाई छीनूभाई पटेल ने दिनांक ११ अगस्त २००८ को अपने लेटरपेड पर स्पष्टरूप से लिखा कि राजेश सुखाभाई सोलंकी वास्तव में ठग है । इसने गोधरा व गांधीनगर के कई परिवारों को 'मैं कलेक्टर हूँ' ऐसा बताकर पैसों की उगाई (ठगी) की है । यह है इसका प्रमाण :

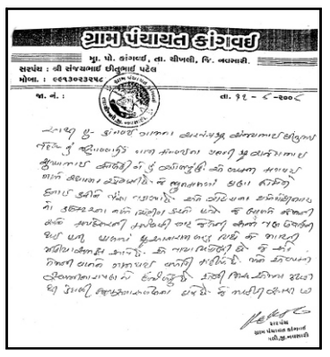

यहाँ पर यह बात विशेषतः वर्णनीय है कि राजेश सोलंकी ने संत आसाराम बापू पर आरोप लगाया था कि मेरी पत्नी बकुला को चार महीने से आश्रम के एक तांत्रिक ने वशीकरण करके सूरत के आश्रम में रखा हुआ है, परंतु जब 'प्रेस की ताकत' के पत्रकार उसकी पत्नी तक पहुँचे तो मालूम पड़ा कि वह पिछले पाँच महीनों से अपनी मौसी के घर रह रही है। जब उनसे संत आसाराम आश्रम, सूरत में उनके कैद रहने के बारे में पूछा गया तो बकुला ने कहा कि मैंने तो सूरत आश्रम देखा तक नहीं है ।

राजेश सोलंकी ने तो संत आसाराम बापू आश्रम पर आरोप लगाते हुए यह तक कह दिया कि मेरी पत्नी संस्कृत में गोल्ड मैडलिस्ट है, इसलिए उसे वहाँ पर तंत्र-मंत्र के लिए आश्रम के मुख्य तांत्रिक गुलाबभाई ने कैद कर रखा है, लेकिन सोलंकी की पत्नी का कहना है कि न तो मैं संस्कृत में गोल्ड मैडलिस्ट हूँ और न ही मुझे कोई तंत्र-मंत्र आता है । जहाँ तक मेरे पति राजेश सोलंकी की बात है उन्होंने सगाई के समय हमें जाली सर्टिफिकेट दिखाये थे कि मैं इतना पढ़ा-लिखा हूँ और मुझ से धोखे से शादी की और शादी के बाद वह मुझसे मारपीट करता रहता था, जिस कारण मुझे अपने पति का घर छोड़कर मायके आना पड़ा । जब उनसे गुलाब भाई के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि गुलाब भाई तांत्रिक नहीं हैं, वे तो मेरी मौसी के दामाद हैं। इस बारे में जब राजेश की सास से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि राजेश कुछ काम-धंधा नहीं करता, लोगों से ठगी करके पैसे लेता है। किसीको बोलता

शेष पृष्ठ ३ पर

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कान मरोड़ने का समय आ गया है

– खंडेलवाल, प्रेस क्लब, अध्यक्ष

इंदौर (प्रेस की ताकत) : जनमंच की ओर से आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं ने जो विचार मंथन किया, उसका निष्कर्ष यह था कि समाज का हर वर्ग, हर दल और सभी जिम्मेदार लोग अपनी मर्यादाओं के अंतर्गत रहें । परिचर्चा का विषय था- बिना तथ्यों के संतों का चरित्र हनन क्या उचित है ?

इस परिचर्चा में श्री केशव चैतन्यजी महाराज, सत्यनारायण सत्तन, पंकज शर्मा, प्रकाश हिन्दुस्तानी, ओमी खंडेलवाल, डॉ. इशरत अली, फादर प्रसाद एवं प्रमोद टंडन ने भाग लिया ।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ट्रायल कोर्ट बनता जा रहा है - ओमी खंडेलवाल

केशव चैतन्यजी महाराज ने कहा कि किसी राष्ट्र और समाज को सबल

शेष पृष्ठ २ पर

मंत्र से मारकर दिखाओ... 5 लाख रुपये नगद ईनाम पाओ...

चंडीगढ़ (विशेष ब्यूरो)। मंत्र से मारकर दिखाओ, ५ लाख रुपये नगद ईनाम पाओ । यह कहना है पंजाब तर्कशील संस्थान के मीडिया प्रभारी का। मीडिया प्रभारी श्री रामसिंह बंग कहते हैं कि 'कभी भी किसी व्यक्ति को मंत्रोच्चारण से मारा ही नहीं जा सकता। आजकल जैसा कि हम टीवी पर देख रहे हैं कि कोई व्यक्ति एक मंत्र से किसी बच्चे को मार देता है वास्तव में यह टी.वी. चैनल वाले लोगों में अंधविश्वास पैदा कर रहे हैं जो कि अति निंदनीय है, आज के वैज्ञानिक युग में जब सभी लोग चाँद पर पहुँचने की बात करते हैं और वहीं कुछ ऐसे मीडियावाले लोगों में ऐसी अंधश्रद्धा फैलाकर कुछ झूठे पंडितों तथा तांत्रिकों को अपना उल्लू सीधा करने का मौका दे रहे हैं।'

श्री बंग का कहना है कि 'हम पूरे भारत में अपने तर्कशील संस्थान द्वारा जगह-जगह जाकर प्रचार करते हैं कि कभी भी इस प्रकार की बातें बनाकर यदि कोई आपको ठगता है, अंध विश्वास फैलाता है तो आम लोगों को ऐसे लोगों का भांडा फोड़ना चाहिए तभी हमारा राष्ट्र तरक्की कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वे ऐसे कई

शेष पृष्ठ ३ पर

सरकार इंडिया टीवी का लाईसैंस कैंसल करेगी...?

...आसाराम बापू के भक्तों ने की सरकार से अपील

अमदावाद (प्रेस की ताकत)। संत आसारामजी गुरुकुल में हुई घटना को मानो संत आसाराम बापू आश्रम को बदनाम करने का एक सुअवसर ही मानकर लगातार कोई-न-कोई उद्वेगजनक खबर घड़ने में अथक रूप से लगे हुए इंडिया टीवी के विरुद्ध आसाराम बापू के भक्तों ने मुहिम तेज कर दी है । वे सभी भक्त अपने हृदय की पीड़ा से पीड़ित हैं, उनका कहना है कि बिना किसी ठोस सबूत के इस तरह के मनगढ़ंत तथ्यों को प्रसारित कर न्यूज चैनल एवं अखबार क्या सिद्ध करना चाहते हैं। कितनी ही बार न्यूज चैनलों एवं अखबारों पर नम्र विनती के दूरभाष किये जा चुके हैं, मुंबई में रहने वाले भक्त ने बताया कि हमने जब फोन किया तब सामने से चैनलों का रियेक्ट सही नहीं था, वे लोग हमारी बातों को सुनने तक को तैयार नहीं हैं । आखिरकार ये सब हो क्या रहा है ? पूज्य बापूजी जैसे विश्वप्रसिद्ध संत के विरुद्ध कभी कोई तो कभी कोई पासा बनाकर खड़ा कर दिया जाता है । भक्तों का कहना है कि हमारे संतप्रवर ने आपका क्या बिगाड़ा है ? तथाकथित लोग जाने कहाँ से अपनी भद्दी और असभ्य बातों को आरोपित करके हमारे संतप्रवर को बदनाम करने के लिए यत्न कर रहे हैं । पूज्य बापू एक विश्वस्तरीय संत हैं, जिन्हें भारत में ही नहीं, पाकिस्तान, अमेरिका, न्यूजर्सी जैसे दूर-दूर तक के देशों एवं स्थानों में बड़ी श्रद्धा एवं भक्ति से सुना जाता है । यहाँ तक कि बिना किसी धर्म व मजहब के वे संत सभी को शीतल करते हैं। जैसे गंगा नदी का पानी सभी के लिए शीतल है वैसे ही वे संत हम सभी के लिए शीतल हैं । उन्हीं की प्रेरणा से आज कई व्यक्ति इंजीनियर, डॉक्टर, आई.पी.एस. कलेक्टर, मैनेजर, आदि बड़ी-बड़ी पोस्टों पर होने के बाद भी ईमानदारी व समता का व्यवहार करते हुए जनता के शोषक न बनकर पोषक बन रहे हैं ।

भक्तों का कहना है कि ऐसे भारत को एवं भारत की जनता को ईमानदार, कर्मनिष्ठ, तत्पर, समतावान (सबके साथ समान व्यवहार रखनेवाले), श्रद्धावान, गुणवान, चरित्रवान, कर्मठ सत्ताधीष चाहिए । जो समाज को उन्नत करने में सहायक हों । हमारा देश, हमारा राष्ट्र हमारा हृदय है इसकी सुरक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। हमारे देश की रक्षा उसकी संस्कृति से ही होगी । हर देश की पहचान उसकी संस्कृति से होती रही है। अगर गलत संस्कारों से संस्कारित युवान होंगे तो वे क्या देश का भविष्य बनायेंगे ? देश का भविष्य तो वही कर्णधार बना सकते हैं कि जो स्वयं सत्यनिष्ठ, कर्मनिष्ठ और हर तरह से समाज एवं देश की सेवा में रत हों जैसे हमारे संत हैं ।

ऐसा ही सवाल प्रेस की ताकत ने संत आसाराम बापू से किया :

प्रश्न : बापूजी आपके ऊपर ये सभी आरोप लग रहे हैं । आपका भी कहना है कि ये एक षड्यंत्र है तो कोई आपके पीछे षड्यंत्र क्यों करेगा ? किसलिए करेगा ?

संत आसाराम बापू ने कहा : ''अगर ये षड्यंत्र अकेले हम पर होता तो कोई बात नहीं थी, ये तो पूरी भारतीय संस्कृति पर है । हमारा देश आज समाज में सम्मानित हो रहा है, विदेशों में भारतीय कई बड़ी-बड़ी पोस्टों पर आ चुके हैं । भारत के लाल देश को रोशन करें ऐसी मेरी आशा है । मगर कुछ असामाजिक लोगों से यह देश की उन्नति देखी नहीं जाती क्योंकि हम खुला बोल देते हैं । बाबा, हमारा किसीसे कोई वैर नहीं है ।

प्रश्न : यह षड्यंत्र क्यों हो रहा है ?

संत आसाराम बापू : ये षड्यंत्र हो रहा है क्योंकि हम चाहते हैं भारत का एक-एक बच्चा ऐसा मेधावी, निष्ठावान, दृढ़ संकल्पवान, संयमी, सदाचारी हो कि अगर पूरे विश्व में कहीं पर भी जाये तो पता लग जाये के यह भारत का लाल है। यह भारत

शेष पृष्ठ ३ पर

'प्रेस की ताकत' पंजाबी व गुजराती में भी उपलब्ध